

23/5/25

वादीगण ने एक प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि पक्षकारों के मध्य राजीनामा हो गया है वादीगण अब वाद को चलाना नहीं चाहते हैं वादीगण उक्त अराज के सम्बन्ध में पुनः कमी वाद दापर नहीं करेंगे वाद को विद्वा करना चाहते हैं प्रार्थना पत्र व पत्रावली को संक्षेप में किया गया वादीगण उपाध्याय उक्त वाद को आगे चलाना नहीं चाहते हैं प्रार्थना पत्र स्वीकार कर वाद विद्वा करने की स्वीकृति दी जाती है प्रकरण फेशल नुमार होकर दाखिल दफतर हो नम्बर से पत्रावली कम हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।

[Handwritten signature]

सहायक कलेक्टर
आंभर लोक (जयपुर)

[Handwritten signature]
भगवानस
(वादी)

[Fingerprint]
वादी
(द्वन्द्वमान)

श्रीवाला
(वादी)

गोपा
का

Identity
d. 23/5/25